गन्ना एसएपी बढ़ने से महंगा होगा गुड़

रामवीर सिंह गुर्जर
नई दिल्ली, 7 दिसंबर

उत्तर प्रदेश सरकार ने आज गन्ने का राज्य परामर्श मूल्य (एसएपी) 12 फीसदी बढ़ा दिया है, जिससे गुड़ महंगा हो सकता है। कारोबारियों का कहना है कि मकर संक्रांति तक गुड़ की मांग भी मजबूत रहेगी, इससे भी गुड़ में तेजी को सहारा मिलने की उम्मीद है। वर्तमान भाव गुड़ उत्पादन की लागत से काफी ज्यादा है। इसे देखते हुए भारी तेजी की संभावना कम है।

एशिया की सबसे बड़ी गुड़ मंडी मुजफ्फरनगर में महीने भर पहले 1,030 से 1,180 रुपये बिकने वाला गुड़ गुरुवार तक तो 950 से 1,060 रुपये प्रति कट्टा (40 किलोग्राम) बिक रहा था, लेकिन शुक्रवार को एसएपी बढ़ने की खबर से अधिकतम भाव में 30 रुपये प्रति कट्टे की उछाल देखी गई। शुक्रवार को ही राज्य सरकार ने सामान्य किस्म के गन्ने का एसएपी 40 रुपये बढ़ाकर 280 रुपये, अगैती और अनुपयुक्त किस्म का भाव भी 40 रुपये बढ़ाकर 290 व 275 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है।

मुजफ्फरनगर गुड़ कारोबारी संघ के अध्यक्ष अरुण खंडेलवाल कहते हैं - अभी तक तो एसएपी घोषित न होने गन्ना पिछले माह के 220-240 रुपये की तुलना में 200-220 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहा था। जिससे महीने भर में गुड़ 7 से 10 फीसदी सस्ता हुआ था। लेकिन अब गन्ना महंगा मिलेगा, जिससे गुड़ भी महंगा हो सकता है। गुड़ कारोबारी हरिशंकर मूंदड़ा ने कहा कि मकर संक्रांति तक गुड़ की मांग मजबूत रहेगी। ऐसे में एसएपी बढ़ने के बाद गुड़ में तेजी लाजिमी है। गुड़ कारोबारी जय प्रकाश के मुताबिक गन्ना महंगा होने के बाद गुड़ का भाव चढ़ सकता है।

खंडेलवाल को गुड़ में भारी तेजी की उम्मीद नहीं है। उनका तर्क है कि गन्ने के 200 रुपये भाव पर गुड़ की लागत 834 रुपये कट्टा है, जबकि गुड़ की कीमत करीब 1100 रुपये कट्टा है। अगर गन्ना 260 रुपये क्विंटल भी मिलता है, तब उत्पादन लागत 975 रुपये कट्टा हो जाएगी। ऐसे में मकर संक्रांति तक गुड़ की कीमतों में 5 से 7 फीसदी की ही तेजी संभव है। उनका दूसरा तर्क है कि चीनी के भाव सुस्त हैं। ऐसे में गन्ना इतना महंगा होने पर चीनी मिलों में पेराई समय से पहले बंद होने की आशंका है।

मध्य प्रदेश में गन्ने का भाव 160 से 170 रुपये प्रति क्विंटल है। ऐसे में यूपी के 800 से 1,000 गुड़ उत्पादकों ने एमपी के नरसिंहगढ़, बैतूल और ग्वालियर जिले में कोल्हू लगाया है। इन जिलों से यूपी के अलावा राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और गुजरात जैसे बाजारों में भी गुड़ की सप्लाई हो रही है। इससे भी लंबी अवधि में गुड़ की कीमतों पर दबाव रहेगा।